श्रीः

इन्दुमती

वा

वनविहंगिनी.

ऐतिहासिक-उपन्यास.

श्रीकिशोरीलालगोस्वामिलिखित.

"अकृत्रिमप्रेमरसा विलासालसगामिनी ।
असारे दग्धसंसारे सारं सारङ्गलोचना ॥"

(भारवेः)

प्रयाग की "सरस्वती" मासिकपत्रिका से पुनर्मुद्रित.

श्रीछबीलेलालगोस्वामिद्वारा
स्वकीय—श्रीसुदर्शनप्रेस—वृन्दावन में
मुद्रित और प्रकाशित ।

सन् १९१४ ईस्वी

तीसरी बार १०००] * [मूल्य तीन आने